

पद ५९

(रागः खमाज जिल्हा - तालः धुमाळी)

ही शिवा प्रलय हुतभवा अचलवैभवा चंडिका धूमा । मनु यंत्र
तंत्र शिवशक्ति पराक्रम सीमा ॥६०॥ धगधगित गात्र सुरचकित
कुलाकुलनमित विश्व प्रलयांबा । अघ कृत्रिम भक्षणी जीव
प्राण शिवसांबा । किति वेष करिसि जगपोष देव जयघोष स्तविती
रुद्राणी । कथिं विधवा कथिं सौभाग्य मुकुट महाराणी ।
माणिपदक हार शुभ तिलक रथध्वज काक हृत्कमलवासी
जगत्रयवासी । किति शाकिनि डाकिनि पादसेवनीं दासी । (चाल)
सिंहासनि श्री धूमावति सद्गुणशीला । वाम सव्य कामेश्वरि
ललिता श्यामला । परिवार छिन्नमस्ता नवचंडी बगळा श्री बाला ।
अतिघोर घोर दुर्वार सुष्टिसंहार सहज करि लीला । उदयास्त मध्य
प्रौढ वृद्ध मुग्धा बाला ॥१॥ षट्चक्र अर्चनापात्र सुदीक्षा मंत्र हर्ष
मधुधारा । सर्वात्मशक्ति लय शद्व शांभवी मुद्रा । गुरु वंदु
अमृतपूर्णदु योनि चिद्विंदु मनोन्मनीं कामा । गूढात्मशक्ति आलिंगन
चिद्रति वामा । बलिहवन दृश्य पशुहनन बोध घटपूर्ण शाक्त
सत्पूजा । महास्मशानि शिव प्रेतासनी प्रसन्न हुतजा । (चाल)
महाकाली त्रिकुटगिरिवासिनी ही शिवा । उच्छिष्टसुधागमदायिनी
ही शिवा । सौभाग्य वंशवर्धिनी ही शिवा । श्रीस्तवन धूप जप
मनन परांबा शरण चिज्वलज्ज्वाला । प्रिय शंकर चिन्मार्तांड वीर्य
प्रतिपाला ।

भजन

स्फुरद्रूपी श्री जगदंबे । सच्चिदानन्द प्रतिबिंबे ॥